निशांत की तीन कविताएं

(1)

कोलकाता में कलकत्ता

आँख खुली
कलकत्ता के एक उपनगर हावड़ा के
सलकिया में था मैं

फिर आँख खुली
कोई फ़िल्म चल रही थी
आँखों के पास
रास्ते के उस तरफ बहुत भीड़ थी

समय पत्थर हो गया था
चौथी क्लास में था नायक
समय से पत्थर तोड़ रहे थे पिता
शामिल थे उसमें घर भर

पत्थर से पत्थर तोड़ते हुए
कोई बंबई गया
कोई गुजरात
एक दिल्ली गया
एक कोलकाता
एक हरनाथपुर अपने गांव
(तब तक कलकत्ता, कोलकाता हो गया था)

कोलकाता में कलकत्ता ढूँढ़ता रहा नायक
इक्कीस हजार छह सौ सत्तावन दिन से
सीपीएम की सरकार ने काफी मदद की

सरकारी मदद सरकारी निकली

नंदन मेट्रो हुगली चिड़ियाखाना
चंदननगर उत्तरपाड़ा काँचरापाड़ा
कांकिनाड़ा गौरीपुर भाटपाड़ा
कालीघाट विक्टोरिया धर्मतल्ला
केसीदास रसगुल्ला मीठी दही
संदेश, आनंदबजार द टेलीग्राफ
ग्रैंड होटल सियालदह हावड़ा और
हावड़ा का पुल के बाद
थक कर रुका
पत्थर पर पीठ टिकाये
शहर नहीं बदला था
शहर वही था
इक्कीस हजार छह सौ सत्तावन दिन पहले वाला शहर

सो रहा हूँ
जब भी आँख खुलती है
पत्थर पर हाथ चला जाता है

पत्थर को सोना बनाने की कला सीखने आये थे मेरे पूर्वज
मैं पत्थर को अमृत से बदलने के लिए
उस अमृत वाले को ढूंढ़ लिया था
कल बारह बजे मिलने जाना था
सरकार बदल गई
मेरे पास समय है
पत्थर में छिपा समय
उसके पास समय को सोना बना देने की कला

हम इंतजार कर रहे हैं
अभी भी।

(2)

मैं मारा भी जाऊँ तो मुस्कुराऊँ

तुम्हें इतना प्यार करना चाहता हूँ
कि तुम हत्या भी मेरी करो
तो तुम्हें माफ़ कर दूँ

तुम मुझे गाली दो
तो फूल दूँ तुम्हें

तुम्हारे लिए
फूलों का गुलदस्ता जरूर लाऊँ
यह जानते हुए कि
तुम मुझे जलील करने आ रहे हो

राजनीति में तुम से पीछे रहूँ तो कोई गम नहीं
जीवन में तुम से आगे हो जाऊं तो दुःख हो

तुम एक बेहतर इंसान बन जाओ
मैं मारा भी जाऊँ
तो मुस्कुराऊँ।

(3)

पिता की गरिमा

घर में साइकिल थी
भैया ने अपनी कमाई से खरीदी थी

पिता जी को नहीं आती थी साइकिल
सीखे भी नहीं

अमीर तो नहीं
बस दो जून चैन से बीत जाए
इतना ही चाहते-चाहते
बीत गए पिता

साइकिल को क्यों याद कर रहा हूँ

एक बूढ़ा आदमी साइकिल चलाता है
कितना गरिमाहीन लगता है

पिता अपनी गरिमा जानते थे
वस्तुओं की भी

पिता कभी गरिमाहीन नहीं लगे।

(**परिचय :** निशांत भारतभूषण अग्रवाल पुरस्कार से सम्मानित चर्चित युवा कवि हैं। वर्तमान में काज़ी नजरुल विश्वविद्यालय, आसनसोल के हिंदी विभाग में सहायक प्रोफेसर पद पर कार्यरत हैं। संपर्क सूत्र: 825041291)